



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

29 फाल्गुन 1940 (श10)
(सं0 पटना 456) पटना, बुधवार, 20 मार्च 2019

बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद्

अधिसूचना

14 दिसम्बर 2018

सं० 1367—गया जिलान्तर्गत श्री रूक्मीणि नाथ मंदिर, शेरघाटी, जिला— गया पर्षद के तहत निबंधित एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास है जिसकी निबंधन सं०— 3415 है।

उक्त मंदिर के खाता सं०— 279, 1132, मौजा— शेरघाटी, खाता सं०— 87, मौजा— अफजलपुर जिसका कुल एराजी 6.73 है जो रेवेन्यू रिकार्ड में दर्ज है। पिछले कई वर्षों से शिकायत आ रही थी कि कृष्ण मुरारी प्रसाद अपने को मंदिर का व्यवस्थापक / सेवायत का दावा करते हुए उक्त मंदिर की कुछ जमीन का वयनामा आनन्द कुमार राय के नाम से किया जो अवैध एवं अप्रभावी है तथा मंदिर का देखभाल भी बंद कर दिया गया। इसके बाद समाज के लोगों के द्वारा इस संबंध में एक बैठक कर समाज के कुछ लोगों की समिति बनाई गई जो वर्तमान में मंदिर का प्रबंधन आदि का कार्य कर रही है। समाज द्वारा बनाई गई समिति में राम प्रसाद गुप्ता को सचिव नियुक्त किया गया। उनके द्वारा पर्षद में न्यास के आय-व्यय की विवरणी एवं पर्षद शुल्क जमा की जा रही है। इसी दौरान आम सभा की बैठक में प्रस्ताव पारित पर 11 लोगों की सूची न्यास समिति गठन हेतु दि०— 09/10/17 को पर्षद को भेजी गयी। उक्त सूची में वर्णित नामों का चरित्र सत्यापन हेतु संबंधित थाना को पत्र दिया गया था। अंचलाधिकारी तथा अनुमंडल पदाधिकारी को भी उक्त मंदिर के देखभाल हेतु स्वच्छ छवि के 11 व्यक्तियों के नामों की सूची की मांग की गयी थी। यह भी तथ्य सामने आया कि इस मंदिर में कई दुकानें हैं तथा एक गैस गोदाम है, परंतु न्यास समिति गठन न हो पाने के कारण अधिकांश दुकानदारों द्वारा मासिक किराया नहीं जमा किया जा रहा है। अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा प्रेषित 11 नामों की सूची एवं आम जनता द्वारा भेजे गये 11 नामों की सूची का चरित्र सत्यापन का प्रतिवेदन भी संबंधित थाना प्रभारी से पर्षद को प्राप्त है। अंचलाधिकारी ने उन्हीं नामों की सूची पर सहमति व्यक्त की है। संचिका से यह भी स्पष्ट है कि मंदिर का प्रबंधन एवं अतिक्रमण वाद की पैरवी भी आम जनता द्वारा की जा रही है।

अतः उपरोक्त सभी तथ्यों पर विचारोपरांत तथा उक्त न्यास के समुचित देखभाल, प्रबंधन एवं व्यवस्था हेतु ग्यारह व्यक्तियों की समिति के गठन का निर्णय लिया गया है।

अतः मैं, अखिलेश कुमार जैन, प्रशासक, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम 1950 की धारा— 8 (क) सह पठित धारा— 32 (1) एवं 81 (ख) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री रूक्मीणी नाथ मंदिर, शेरघाटी, जिला— गया के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक विकास के लिए बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम 1950 की धारा— 32 के तहत नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति का गठन करता हूँ।

योजना

1. अधिनियम की धारा- 32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “श्री रुक्मीणी नाथ मंदिर न्यास योजना, शेरघाटी, जिला- गया” होगा तथा इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम “श्री रुक्मीणी नाथ मंदिर न्यास समिति, शेरघाटी, जिला- गया” होगा, जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल संपत्ति के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।
2. इस न्यास समिति का मुख्य कर्तव्य न्यास की संपत्ति की सुरक्षा एवं सुसंचालन तथा मंदिर की परम्परा एवं आचारों के अनुकूल पूजा-पाठ एवं साधु-सेवा की समुचित व्यवस्था करना होगा।
3. अधिसूचना निर्गत होने की तिथि से एक माह के अन्दर न्यास के नाम से किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में खाता खोलकर, न्यास की समस्त आय को उस खाता में जमा किया जायेगा तथा सचिव एवं कोषाध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षर से इसका संचालन होगा।
4. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।
5. न्यास समिति अधिनियम एवं उप-विधि में वर्णित सभी नियमों का पालने करते हुए प्रतिवर्ष न्यास के आय-व्यय की विवरणी, अंकेक्षण प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि सम्यक रूप से पर्षद को प्रेषित करेगी। यह विवरणी मार्गदर्शिका के आलोक में देय होगा।
6. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव न्यास समिति की बैठक आहूत करेंगे। न्यास समिति की बैठक प्रत्येक तिमाही में एक बार अवश्य बुलाई जायेगी और बैठक की कार्यवृत्त पर्षद को प्रेषित की जायेगी।
7. न्यास समिति द्वारा कोई नयी योजना न्यास हित में आवश्यक समझा जायेगा तो इस हेतु निर्धारित विशेष बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद के अनुमोदन के लिए भेजेगी।
8. न्यास समिति न्यास की अतिक्रमिता/हस्तारित भूमि “यदि कोई हो तो”, उसकी वापसी के लिए समुचित वैधानिक कार्रवाई करेगी।
9. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।
10. न्यास समिति के कोई सदस्य प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से न्यास से लाभ उठाते पाये जायें या न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे तो इस संबंध में उनसे स्पष्टीकरण प्राप्त कर समुचित कार्रवाई की जाएगी।
11. न्यास समिति के सदस्य की यदि कोई आपराधिक पृष्ठभूमि होगी या वे आपराधिक काण्ड में आरोप-पात्रित होंगे तो, उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जायेगी।

पर्षद द्वारा निरूपित योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति गठित की जाती है:-

- | | | |
|------|--|--------------|
| (1) | अनुमण्डल पदाधिकारी, शेरघाटी, जिला- गया | पदेन अध्यक्ष |
| (2) | श्री रामजी पासवान पिता स्व० सहदेव पासवान, बनाही, शेरघाटी, गया | उपाध्यक्ष |
| (3) | श्री अनिल कुमार, पिता श्री राम कृपाल प्रसाद, रमणा, शेरघाटी, जिला- गया | सचिव |
| (4) | श्री सुबोध कुमार पिता श्री राम कैलाश सिंह, वभन विगहा, शेरघाटी, जिला- गया | कोषाध्यक्ष |
| (5) | प्रखंड विकास पदाधिकारी, शेरघाटी, जिला- गया | पदेन सदस्य |
| (6) | अंचलाधिकारी, शेरघाटी, जिला- गया | पदेन सदस्य |
| (7) | थानाध्यक्ष, शेरघाटी, जिला- गया | पदेन सदस्य |
| (8) | श्री चन्द्रमणी पाठक, पिता स्व० कलानाथ पाठक, मो०- पाठक टोली, शेरघाटी, गया | सदस्य |
| (9) | श्री राजु अग्रवाल पिता स्व० रामेश्वर प्रसाद, गोला बाजार, शेरघाटी, गया | सदस्य |
| (10) | प्र० अरविन्द कुमार पिता श्री रामचन्द्र प्रसाद सा० सम्पर्क, गोला बाजार, शेरघाटी, गया | सदस्य |
| (11) | श्री गोपाल प्र० स्वर्णकार, पिता स्व० रामस्वरूप साव, फुलदीन मंदिर, शेरघाटी, गया | सदस्य |
| (12) | उपरोक्त वर्णित न्यास समिति का कार्यकाल अधिसूचना निर्गत होने की तिथि से अगले 05 वर्षों का होगा, लेकिन एक वर्ष के (अन्दर शर्त संख्या- 3, 4, एवं 5 का पालन) निर्धारित समय सीमा में पूरी नहीं किये जाने पर समिति भंग की जा सकती है। शर्तें पूरी करने पर समिति गठन को स्थायी किया जा सकता है। | |

विश्वासभाजन,
अखिलेश कुमार जैन,
प्रशासक।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।
बिहार गजट (असाधारण) 455-571+10-डी०टी०पी०।
Website: <http://egazette.bih.nic.in>